UP Board Solutions for Class 6 Hindi Chapter 34 डॉ० विश्वेश्वरैया (महान व्यक्तिव)

पाठ का सारांश

डॉ० विश्वेश्वरैया का जन्म मैसूर प्रदेश के मुद्देनल्ली गाँव में 15 सितम्बर, सन् 1861 में हुआ था। इनका पूरा नाम मोक्षगुडम् विश्वेश्वरैया था। ये कुशल इंजीनियर, विख्यात स्थापत्यविद् नए नए उद्योगों और धन्धों के जन्मदाता, शिक्षाशास्त्री, राजनीतिज्ञ एवं देशभक्त थे।

1893 में तत्कालीन ब्रिटिश सरकार ने विश्वेश्वरैया की परीक्षा ली। मुंबई सरकार की सक्कर जल योजना जिसे वह यथाशीघ्र पूरा करना चाहती थी, परन्तु उस काम की देखरेख कर रहे अँग्रेज इंजीनियर की मृत्यु हो गई। तब विश्वेश्वरैया ने बड़ी योग्यता एवं कर्मठता से इस कार्य को समय पर पूरा कर दिया। इन्होंने मूसा नदी पर बाँध बाँधकर जलाशयों का निर्माण कराया, जिससे जन-धन का विनाश करने वाली मूसा नदी हैदराबाद के लिए वरदान सिद्ध हुई। इन्होंने तत्कालीन मैसूर राज्य में बैंक मैसूर चैम्बर ऑफ
कामर्स, चन्दन तेल कारखाना, सरकारी साबुन कारखाना आदि उद्योगों की स्थापना की। भद्रावती के प्रसिद्ध लोहा और इस्पात कारखाने की योजना डॉ० विश्वेश्वरैया ने ही तैयार की थी। ये जीवन भर शिक्षा के प्रचार-प्रसार के प्रति प्रयत्नशील रहे। इन्होंने ही मैसूर विश्वविद्यालय की नींव डाली। ये बाह्य आडम्बरों का विरोध करते थे। भारतीय संस्कृति और आचार-विचार में इनकी महान आस्था थी।

जब भारत स्वतंत्र हुआ, तो देश ने इस महान रत्न का हार्दिक सम्मान किया। अँग्रेजों ने इन्हें ‘सर’ की उपाधि दी थी। भारत सरकार ने इन्हें सर्वोच्च ‘भारत रत्न’ की उपाधि से अलंकृत किया।

सन् 1962 में डॉ० विश्वेश्वरैया का स्वर्गवास हो गया। आज भी इनके महान कार्यों के कारण भारतवासी इन्हें याद करते हैं।

अभ्यास

प्रश्न 1.
डॉ० विश्वेश्वरैया को आधुनिक भारत का भगीरथ क्यों कहा जाता है?
उत्तर :
डॉ० विश्वेश्वरैया को आधुनिक भारत का भगीरथ इसलिए कहा जाता है क्योंकि महाराज भगीरथ की भाँति ही डॉ० विश्वेश्वरैया ने अपनी योग्यता और कर्मठता से जन-धन का विनाश करनेवाली मूसा
नदी को हैदराबाद के लिए वरदान बना दिया। उन्होंने करोड़ों एकड़ बंजर धरती को उर्वर बनाया और तेज बहनेवाली अनेक नदियों पर बाँध बँधवाए।

प्रश्न 2.
कृष्णराज सागर कहाँ बना हुआ है?
उत्तर :
मैसूर राज्य में कावेरी नदी पर ‘कृष्णराज’ सागर बना हुआ है।

प्रश्न 3.
हैदराबाद के लिए मूसा नदी को डॉ० विश्वेश्वरैया ने किस प्रकार वरदान बना दिया?
उत्तर :
विश्वेश्वरैया ने मूसा नदी पर बाँध बाँधकर जलाशयों का निर्माण कराया और जन-धन का विनाश करनेवाली मूसा नदी को हैदराबाद के लिए वरदान बना दिया।

प्रश्न 4.
डॉ० विश्वेश्वरैया के जीवन से हमें क्या शिक्षा मिलती है?
उत्तर :
डॉ० विश्वेश्वरैया के जीवन से हमें यह शिक्षा मिलती है कि सदैव परिश्रम एवं लगन से अपने कर्तव्य का पालन करते रहना चाहिए। बाधाओं से नहीं घबराना चाहिए। परिश्रम, कर्तव्य-निष्ठा, धैर्य, बल एवं शिक्षा ही मानव को उन्नति के मार्ग की ओर ले जाने में समर्थ होती है।

प्रश्न 5.
रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए –

(क) डॉ० विश्वेश्वरैया का जीवन साहस, संघर्ष और सफलता की अनुपम कहानी है।
(ख) डॉ० विश्वेश्वरैया की मान्यता थी कि उचित शिक्षा ही देश की आर्थिक दुर्गति दूर करती है।

प्रश्न 6.
नीचे लिखे कथनों का सही मिलान कीजिए (मिलान करके) –

(क) भारत कैसे उन्नति कर सकता है	और स्वाभिमानी व्यक्ति थे।
(ख) डॉ० विश्वेश्वरैया देशभक्त	जबकि उसकी अस्सी प्रतिशत जनता अनपढ़ है।
(ग) 15 सितंबर, सन् 1961 ई० में हुआ था	संघर्ष और सफलता की अनुपम कहानी है।
(घ) डॉ० विश्वेश्वरैया का जीवन साहस	डॉ० विश्वेश्वरैया का जन्म मैसूर प्रदेश के मुद्देनल्ली गाँव

उत्तर :

(क) भारत कैसे उन्नति कर सकता है; जबकि इसकी अस्सी प्रतिशत जनता अनपढ़ है!
(ख) डॉ० विश्वेश्वरैया देशभक्त और स्वाभिमानी व्यक्ति थे।
(ग) डॉ० विश्वेश्वरैया का जन्म मैसूर प्रदेश के मुद्देनल्ली गाँव में 15 सितम्बर, 1861 में हुआ था।
(घ) डॉ० विश्वेश्वरैया का जीवन साहस, संघर्ष और सफलता की अनुपम कहानी है।

https://www.evidyarthi.in/